हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 22 जून 2026

11 शॉर्ट सर्किट से हार्डवेयर दुकान में लगी आग, लाखों का सामान राख

12 योग के माध्यम से स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने का संदेश दिया

खबर संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से बस चालक की मौत

झज्जर। क्षेत्र के डीघल टोल प्लाजा के पास एक गाड़ी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में गाड़ी में सवार एक स्कूल बस चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रेवाड़ी जिले के गुरदास माजरा गांव निवासी देवेंद्र सिंह के रूप में हुई है। इस संबंध में मृतक के पुत्र दिगवेश की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

एचडी कॉलेज की छात्रा रीतू बनी असिस्टेंट कमिश्नर

झज्जर। क्षेत्र के गांव साल्हावास की होनहार बेटी रीतू गर्ग ने बिहार

लोक सेवा आयोग परीक्षा में 330वीं रैंक हासिल कर स्टेट टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रीतू गर्ग एचडी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की छात्रा हैं और वर्तमान में एचडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन साल्हावास से बीएड कर रही हैं। एचडी ग्रुप के निदेशक रमेश गुलिया ने बताया कि रीतू शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से प्रवासी कर्मचारी की मौत

झज्जर। शनिवार सांय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार निजी कंपनी के कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान अलीगढ़ यूपी के मुजफ्फरा गांव निवासी करीब 28 वर्षीय मुकेश पुत्र लालाराम के तौर पर हुई है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई सुशील कुमार ने बताया कि उसका बड़ा भाई बादली क्षेत्र की एक निजी कंपनी में कार्यरत था। उसे शनिवार की शाम करीब सात बजे अपने भाई के एक्सीडेंट की सूचना मिली।

बादली में अज्ञात महिला का शव बरामद

बहादुरगढ़। गांव बादली में एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने शव की पहचान कराने के उद्देश्य से आमजन से सहयोग की अपील की है। थाना प्रबंधक सुमित कुमार के अनुसार रविवार को एक नाले के पास एक महिला का शव पड़ा मिला। पुलिस टीम ने करीब 40-50 वर्षीय के शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में 72 घंटे के लिए रखवा दिया है।

पुलिस ने जुआ खेलते तीन युवक किए काबू

बहादुरगढ़। सीआईए-1 बहादुरगढ़ की टीम ने जुआ खेलते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 हजार 600 रुपये की नकदी और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर अनाज मंडी क्षेत्र में छापेमारी की गई तो राजेश निवासी सांखोल, सतीश तथा सुदर्शन निवासी बहादुरगढ़ को रंगेहाथ पकड़ा गया।

योग केवल व्यायाम नहीं आत्मा-तन-मन का समन्वय : सुभाष बराला

योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा व योगा फॉर हेल्दी एजिंग संकल्प संग गूंजा योग महोत्सव का उद्घोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को आध्यात्मिक ऊर्जा, स्वास्थ्य संकल्प और जन सहभागिता का अद्भुत संगम दिखाई दिया। योगा फॉर हेल्दी एजिंग थीम तथा योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ आयोजित हुए कार्यक्रम का राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने दीप प्रज्वलित करते हुए शुभारंभ किया। रोडवेज वर्कशॉप प्रांगण में आयोजित योग महोत्सव में जिलाभर के नागरिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों और योग साधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संदेश का बड़ी स्क्रीन लाइव प्रसारण किया गया। इन संदेशों ने योग को जीवन शैली का हिस्सा बनाने और नशा मुक्त समाज की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी।

झज्जर। योगाभ्यास करते राज्यसभा सांसद सुभाष बराला व डीसी वर्षा खांगवाल।

भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर योग

इस दौरान अपने संबोधन में सुभाष बराला ने योग को भारतीय संस्कृति का अमूल्य उपहार बताते हुए कहा कि यह केवल व्यायाम नहीं, मन, तन और आत्मा के समन्वय की कला है। यह ऋषि मुनियों की अमूल्य धरोहर है। जो अनादि काल से मानव जीवन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज योग पूरे विश्व में अपनाया जा रहा है और यह भारत की सनातन संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य कर रहा है।

विधायक के नेतृत्व में अंबेडकर स्टेडियम में हुआ योग

बहादुरगढ़। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में रविवार को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक राजेश जून ने एसडीएम अभिनव सिवाच तथा डीसीपी मयंक मिश्रा के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर किया। राजेश जून ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का वर्चुअल संबोधन भी सुना।

बहादुरगढ़। अंबेडकर स्टेडियम में योगाभ्यास करते राजेश जून व अन्य।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को योग के महत्व, नियमित योगाभ्यास के लाभ तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजेश राजेश जून ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है, जो मानव जीवन में स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। उपस्थित नागरिकों ने निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। विधायक राजेश जून और चेयरपर्सन सरोज राठी ने 72 वर्षीय प्रकाशवती व 68 वर्षीय धनपति को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एसीपी सुरेंद्र, तहसीलदार सुदेश मेहरा, नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार, ईओ संजय रोहिल्ला, सचिव प्रवीण कुमार, सुनील हुड्डा, एसडीओ सुनील कौशिक, डॉ नीलम पंवार, योग सहायक निशा कल्याण आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। योग दिवस पर योग सहायक निशा कल्याण को पौधा देकर सम्मानित करते विधायक राजेश जून।

सभी परीक्षा केंद्रों पर नीट-यूजी परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

2348 परीक्षार्थियों में से 2163 ने दी परीक्षा, 185 पहुंचे ही नहीं

झज्जर। नीट यूजी परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्र के बाहर की गई नाकाबंदी।

झज्जर। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थियों की जांच करते हुए सुरक्षाकर्मी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को आयोजित की गई नीट (यूजी) परीक्षा सभी आठ परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और नकल रहित संपन्न हुई। परीक्षा नकल रहित व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए डीसी वर्षा खांगवाल ने स्वयं कमान संभाली। उन्होंने जिले में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने से पूर्व नियमानुसार सीसीटीवी के अलावा अन्य जरूरी व्यवस्थाएं देखी, साथ ही परीक्षा केंद्र अधीक्षक व स्टॉफ से भी पूछताछ की। जिला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि प्रश्न पत्र सही तरीके से गोपनीयता के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से जिन स्कूलों में केंद्र बनाए गए, उसके नजदीक फोटोस्टेट मशीन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाली दुकानों को बंद रखा गया। परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई थी। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए समूची व्यवस्था पर नजर रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए थे। पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए।

झज्जर। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए परीक्षा केंद्र के बाहर लगी लंबी कतार।

झज्जर। परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े अभिभावक।

झज्जर। कमांड सेंटर में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

झज्जर। नीट-यूजी परीक्षा के चलते व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

कमांड सेंटर से हर गतिविधि पर रही प्रशासन की नजर

रविवार को नीट परीक्षा के चलते लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय कमांड सेंटर स्थापित किया गया था। डीसी वर्षा खांगवाल ने कमांड सेंटर का जायजा लेते हुए स्वयं मोनिटरिंग की। कमांड सेंटर के माध्यम से परीक्षा केंद्रों पर अधिकारियों व कर्मचारियों की मूवमेंट, व्यवस्थाओं और अन्य आवश्यक गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग की गई ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो सके।

2348 परीक्षार्थियों में से 2163 उम्मीदवारों ने दी परीक्षा

नीट-यूजी परीक्षा के लिए जिले में कुल आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर लगभग 2348 परीक्षार्थियों में से 2163 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। जिसमें 185 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित की गई,जबकि डिसएबल्ड परीक्षार्थियों के लिए यह समय सीमा दो से छह बजे निर्धारित की गई थी।

बहादुरगढ़। पत्रकारों के समक्ष आरोप लगाते पूर्व विधायक व पार्षद आदि।

नगर परिषद में वित्तीय गड़बड़ी कर रही सरकार: राजेंद्र जून

- पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने लगाए बहादुरगढ़ नगर परिषद में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने नगर परिषद में वित्तीय गड़बड़ी की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उनके अनुसार कांग्रेस के 10 वर्षों के कार्यकाल में बहादुरगढ़ का रिकॉर्ड विकास हुआ था, जबकि भाजपा के 12 वर्षों में बहादुरगढ़ पूरी तरह पिछड़ गया है।

पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने आरोप लगाया कि सफाई करने वाली निजी एजेंसी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए लगभग 23.77 करोड़ की पेनल्टी वापस लौटाने की बड़ी प्रशासनिक साजिश रची जा रही है। उनके अनुसार यह भारी-भरकम जुर्माना ठेकेदार द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुरूप पर्याप्त सफाई कर्मचारी उपलब्ध न कराने, पूरे वाहन न लगाने तथा डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य संतोषजनक रूप से न करने के कारण विधिक रूप से काटा गया था, जो पहले ही सरकारी खजाने का हिस्सा बन चुका था। पूर्व विधायक ने बताया कि 30 अक्टूबर 2025 को तत्कालीन अधिकारी इस भारी जुर्माने को शत-प्रतिशत कानूनी, नीतिसंगत और न्यायसंगत ठहरा चुके हैं। लेकिन 16 अप्रैल 2026 को 5 अधिकारियों की एक नई कमेटी गठित कर जुर्माने की इस भारी रकम को एजेंसी को वापिस लौटाने की साजिश रची जा रही है।

करोड़ों का गबन

पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि नया गांव डंपिंग साइट पर वर्ष 2022 से अब तक नगर परिषद द्वारा विभिन्न निजी एजेंसियों को 100 प्रतिशत साइंटिफिक प्रोसेसिंग ऑफ वेस्ट के नाम पर 20 करोड़ से भी अधिक की भारी राशि का भुगतान किया जा चुका है। नियमों के अनुसार प्रतिदिन वहां पहुंचने वाले लगभग 112 मीट्रिक टन कचरे का पूर्ण वैज्ञानिक निस्तारण होना अनिवार्य था, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आज भी नयागांव डंपिंग साइट पर भारी मात्रा में बिना प्रोसेस किया हुआ कचरा पहाड़ों की तरह जमा है। वहां बार-बार लगने वाली आग के कारण आसपास का पर्यावरण और जन स्वास्थ्य गंभीर खतरे में आ गया है।

जांच की मांग

राजेंद्र जून के अनुसार नगर परिषद ने नालों की सफाई के लिए 1.63 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है, लेकिन सफाई कार्य ठेकेदार के बजाय परिषद के मौजूदा कर्मचारियों से कराया जा रहा है। इस कार्य में अनियमितता और गोलमाल की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष, समयबद्ध और उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की। बताया कि वे इस महाघोटाले की विस्तृत शिकायत मुख्यमंत्री, शहरी स्थानीय निकाय विभाग और एंटी-करप्शन ब्यूरो के महानिदेशक को साक्ष्यों सहित भेज चुके हैं। इस मौके पर पार्षद बलराम दलाल, संदीप दहिया, कुलदीप राठी, सिकंदर, संजीव मलिक, वेद तहलान, धर्मेंद्र राठी, प्रदीप जून, प्रदीप यादव, आजाद राठी, राजबीर जून, इंद्र राठी, संजय पहलवान व धीरज गौतम आदि मौजूद रहे।

अवैध भ्रूण लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला स्वास्थ्य विभाग की पीएनडीटी टीम द्वारा बिहार के गया जिले में अवैध भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को पकड़ा है। झज्जर-दादरी की संयुक्त पीएनडीटी टीम द्वारा गिरफ्तार कराए गए आरोपियों में एक अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालक तथा एक फर्जी सोनोलॉजिस्ट के अलावा जिले के दो एजेंट भी शामिल हैं। मामले में पीसी-पीएनडीटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया है। सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि जिला समुचित प्राधिकारी झज्जर एवं दादरी को सूचना मिली थी कि छुछकवास निवासी सुरेंद्र और राकेश गर्भवती महिलाओं को बिहार ले जाकर अवैध रूप से भ्रूण का लिंग परीक्षण करवाते हैं। सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर एक गर्भवती महिला को प्रलोभन ग्राहक बनाया गया। संपर्क करने पर एजेंटों ने पचास हजार रुपये में लिंग जांच का सौदा तय किया और महिला को बिहार के गया जिले के टिकारी स्थित एक अल्ट्रासाउंड केंद्र ले गए। वहां जांच के बाद भ्रूण का लिंग बताया गया। इसकी सूचना मिलते ही झज्जर-दादरी पीएनडीटी टीम ने गया प्रशासन की टीम के सहयोग से छापेमारी कर केंद्र संचालक रामाश्रय प्रसाद, फर्जी सोनोलॉजिस्ट गुलशन कुमार तथा एजेंट छुछकवास निवासी सुरेंद्र और भालगढ़ बीड़ छुछकवास निवासी राकेश को गिरफ्तार कर लिया गया।

झज्जर। पकड़े गए आरोपियों के साथ टिकारी थाना बिहार के बाहर उपस्थित पीएनडीटी टीम सदस्य।

संलिप्त दोषियों को सजा का प्रावधान

सीएमओ डॉक्टर मंजू कादियान ने बताया कि भ्रूण लिंग जांच कराना और करना दोनों कानूनन अपराध हैं। दोषियों को तीन से पांच वर्ष तक की सजा हो सकती है। उन्होंने आमजन से ऐसे मामलों की सूचना देने की अपील करते हुए बताया कि सूचना देने वाले को एक लाख रुपये तक का पुरस्कार दिया जाएगा तथा उसकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

शहर के डायवर्सन मार्ग और चौक-चौराहों पर मार्ग खराब

सड़कों पर बने छोटे-बड़े गड्ढ़ों से राहगीरों को परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के विभिन्न मार्गों व गलियों में बने गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। शहर के डायवर्सन मार्ग पर दूर तक कहीं छोटे तो कहीं बड़े गड्ढे बने हैं, जो वाहन चालकों को चोट पहुंचा सकते हैं। बहादुरगढ़ बाईपास पर फ्लाईओवर के नजदीक सड़क इतनी उबड़-खाबड़ हो चुकी है कि यहां वाहनों की रफ्तार स्वतः ही धीमी हो जाती है। हल्के मोड़ पर बने गड्ढों के कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दिल्ली गेट स्थित महाराजा अग्रसेन चौक पर अधर में लटके सड़क निर्माण कार्य के कारण सड़क पर बना एक बड़ा गड्ढा बरसात के दिनों में छोटे तालाब का रूप ले लेता है। छारा चुंगी से सांपला मार्ग की ओर जाने वाली सड़क पर एक बड़ा गड्ढा वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है। वहीं महादेव चौक से पहले सड़क धंसने के कारण टक्करनुमा गड्ढा बन गया है, जिससे दुपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी होती है। सांपला मार्ग से नए बस स्टैंड की ओर जाने वाले रास्ते पर भी करीब एक किलोमीटर के हिस्से में कई छोटे-बड़े गड्ढे हैं। यादव धर्मशाला के पास बनाए गए सीमेंट कंक्रीट रोड को ठीक प्रकार से नहीं जोड़ा गया, जिसके कारण वहां खाईनुमा दरार रह गई है। शुभम, राजकुमार, रामफल, सोनू, हेमंत सैनी आदि ने कहा कि इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

सिटी पल्स

झज्जर। बहादुरगढ़ बाईपास पर उबड़-खाबड़ सड़क से गुजरते वाहन।

शीघ्र ही कराया जाएगा पैचवर्क

पीडब्ल्यूडी के जूनियर इंजीनियर सतीश ने बताया कि विभाग द्वारा शहर की सड़कों पर पैचवर्क कराने का कार्य एक-दो माह के अंतराल पर रेंडमली कराया जा रहा है। पिछले माह भी शहर की सड़कों पर पैचवर्क कार्य करवाया गया था। फिर से सड़कों का निरीक्षण कर पैचवर्क करा दिया जाएगा।

प्रशासन करवाए मरम्मत

सीताराम गेट निवासी दुकानदार राजकुमार ने कहा कि शहर की कई प्रमुख सड़कों पर गड्ढों के कारण लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है।

प्रशासन को बरसात से पहले सभी गड्ढों को भरवाकर सड़कों की मरम्मत करवानी चाहिए ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

सड़कें ही शहर की पहचान

हेमंत के अनुसार किसी भी शहर की खूबसूरती का अंदाजा उसकी सड़कों से लगाया जा सकता है। लेकिन वर्तमान में कई मार्गों की स्थिति खराब है। संबंधित विभाग को तत्काल पैचवर्क कराकर आमजन को राहत देनी चाहिए। रात के समय तेज रफ्तार से आने वाले वाहन चालकों का संतुलन भी अचानक गड्ढा आने पर बिगड़ सकता है।

वाहन चालकों को खतरा

धौलू सैनी ने कहा कि गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक खतरा रहता है। बरसात के मौसम में समस्या और बढ़ जाती है। प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर सभी छोटे-बड़े गड्ढों को भरवाने के लिए अभियान चलाना चाहिए। बरसाती दिनों में इन गड्ढों के कारण मुश्किलें बढ़ सकती है।

भिवानी का सितारा स्मारक

हरियाणा के भिवानी जिले में सितारा स्मारक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है। बताया जाता है कि यह 5वें राधास्वामी गुरु, परम संत ताराचंदजी महाराज की समाधि है, जिन्हें 'बड़े महाराज जी' के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक षट्कोणीय संरचना है जो ज़मीन से 6 फीट की ऊँचाई पर तारे के आकार में बनी है और इसकी ऊँचाई 88 फीट है। यह स्मारक किसी खंभे या स्तंभ के बिना खड़ा है, जो इसे वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना बनाता है।

अनमोल विरासत है बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गुड़ियानी

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है।

महिमा

सत्यवीर नाहड़िया

कलम के माध्यम से नवजागरण, राष्ट्रीयता एवं आजादी की अलख जगाने वाले यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गांव गुड़ियानी (रेवाड़ी) अपने आंचल में राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द तथा सांस्कृतिक चेतना की अनूठी स्मृतियां सहेजे है। यही कारण है कि आज गुप्तजी की यह पावनस्थली देश व प्रदेश में अनमोल विरासत के रूप में देखी जाती है।

आज भले ही भारतेंदु युग के सेनापति कहे जाने वाले हिंदी परिष्कारक गुप्त को यह नश्वर देह त्यागे एक सदी बीत चुकी है, फिर भी गुड़ियानी स्थित हवेलियों, पाठशालाओं, मंदिरों, मस्जिदों, बाजारों, छतरियों, कुओं, खेत-खलिहानों तथा बाग-बगीचों को देखकर लगता है कि वे यहीं कहीं मौजूद हैं। पत्रकारिता, साहित्य तथा सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उनकी लेखनी वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो चली है, जिसके चलते गुड़ियानी एक साहित्यिक ग्राम के रूप में लब्धप्रतिष्ठ होकर गुप्त जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अनायास याद दिलाता प्रतीत होता है, जहां उनकी पैतृक हवेली किसी साहित्यिक तीर्थ से काम नहीं है। हरियाणा प्रांत के रेवाड़ी जिले में कोसली उपमंडल तथा नाहड़ विकास खण्ड के गांव गुड़ियानी में सन् 1865 में जन्मे बाबूजी की जन्मस्थली को सांस्कृतिक धरोहर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी,जो अपने आंचल में आज भी उनकी पावन स्मृतियां सहेजे है। बेरों, घोड़ों, हवेलियों तथा वैद्यों के लिए प्राचीनकाल से विख्यात गांव गुड़ियानी नई पीढ़ी के लिए अनमोल विरासत है। यह पहलू गुड़ियानी के बारे में प्रचलित एक प्राचीन कहावत में भी देखने को मिलता है-

चहार चीज अज तोहफा-ए-गुड़ियानी।
बेर, सौदागर, घोड़े, कोठी का पानी।।

कहते हैं कि जहां आजादी प्राप्ति से पूर्व गुड़ियानी में बेरों के सौ बाग थे, वहीं यह पहलू आज भी कम दिलचस्प नहीं है कि क्षेत्र में बेरों की बिक्री गुड़यिानी के बेर कहकर की जाती है। यह उल्लेखनीय पहलू भी कम महत्व नहीं रखता कि प्रथम विश्वयुद्ध में अंग्रेजी सेना को लगभग पचास फीसदी घोड़े इस क्षेत्र के पठानों ने मुहैया करवाए थे, जिनका केन्द्र गुड़ियानी था। गुड़ियानी के नामकरण के संदर्भ में अनेक मत प्रचलित हैं, जिनमें दो उल्लेखनीय हैं। पहला यह है कि करीब छह सौ साल पहले गजनी से आकर मसहखां नामक पठान ने यह गांव बसाया था,जिसकी प्रजाति गौरियानी थी। वस्तुतः इसका गाम गौरियानी रखा गया, जो कालचक्की में पिसते-पिसते गुड़ियानी हो गया। एक अन्य प्रचलित मत के मुताबिक इस गांव को गुड़िया नामक राजपूत ने करीब छह सौ साल पहले बसाया था। इसके अलावा सन् 1350 ई. में दिल्ली से आए तोमर गोत्रीय जाट द्वारा बसाए जाने का संदर्भ भी आता है। इनमें से मसहखां प्रकरण ज्यादा प्रामाणिक है क्योंकि मसहखां, मुरशेदखां तथा वयातखां नामक तीन सगे भाइयों द्वारा बसाये गए क्रमशः गुड़ियानी, जखाला व भूरियावास गांव साथ-साथ लगते हैं तथा इन तीन भाइयों की औलाद द्वारा बसाये गए रसूलपुर, शादीपुर, मुंदड़ा, मलेशियावास नामक गांव भी गुड़ियानी क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं।

गुड़ियानी में जन्मे एक बालक ने अंग्रेजीकाल में साहित्य एवं पत्रकारिता में अपनी कलम से आजादी की अलख जगायी। राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक व भाषायी अलख के प्रणेता बाबू बालमुकुंद गुप्त का जन्म एवं आरंभिक पढ़ाई इसी गांव में हुई तथा विषम व विकट प्रस्तुतियों में सियालकोट से होडल तक फैले महापंजाब की पांचवीं कक्षा में अव्वल रहकर गुड़ियानी गांव, गुरुजनों व माता-पिता का नाम रोशन किया। पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में इसी बालक ने अपनी कलम का लोहा मनवा कर आजादी की अनूठी अलख जगाई तथा पत्रकारिता क्षेत्र में नए मानदण्ड स्थापित किए।

गुड़ियानी क्षेत्र अपने वैद्यों के लिए भी जाना जाता है। प्राचीनकाल का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा यह गांव अब कोसली विधानसभा तथा रोहतक लोकसभा क्षेत्र का भाग है। इस गांव को गुप्त की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर आदर्श गांव घोषित कर, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी थी। फिर गांव के सरकारी स्कूल का नामकरण उनके नाम से किया गया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर,रेवाड़ी में उनके नाम से पीठ तथा हरियाणा साहित्य अकादमी भवन, पंचकूला में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। उनके नाम से अकादमी पुरस्कार प्रारंभ किए गए, जो आज भी दिए जा रहे हैं। ये सब कार्य पिछले 30 वर्षों में हुए हैं तथा अभी बहुत कुछ होना शेष है।

करीब पांच हजार वोटों वाले इस गांव में 17 वार्ड हैं। बढ़ेरा, तिहाग, कालेवाड़ा, बहादरवाड़ा, नामक पान्नों में बंटा गांव गुड़ियानी मुख्यतः दलित बाहुल गांव है, जिसमें अहीर, कुम्हार, वैश्य, माली, बाल्मीकि, खटीक, मीणा, ब्राह्मणों आदि जातियों के लोग भी काफी संख्या में है। गांव के अलावा ढाणियों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं।

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है। भले ही अधिकांश हवेलियां आज खण्डहर हो चुकी हैं, फिर भी उनकी कलात्मकता एवं निर्माणशैली अनायास आकर्षित करती है। इन हवेलियों के बीच दो हवेलियां हिंदी नवजागरण के पुरोधा गुप्त की अनमोल स्मृतियों की मूक साक्षी रही हैं। ये दोनों हवेलियां आसपास हैं, जिनमें से वह हवेली जिसमें गुप्तजी का जन्म हुआ था, आज पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, किंतु दूसरी हवेली जिसका निर्माण स्वयं गुप्तजी ने करवाया था, आज भी अपनी विराटता व कलात्मकता के अलावा गुप्तजी की अनमोल यादों को सहेजे हुए है। यह हवेली उनके निधन के बाद कई दशकों तक बंद रही, जिसके चलते इसमें रखी उनकी अमूल्य निधियां धूल, दीमक की भेंट चढ़ गई। कभी लंबे अरसे तक बंदरों व कबूतरों की सैरगाह रही इस हवेली में आदमकद झाड़ियां व घास की भरमार थी, किंतु अब पिछले दो दशक से यह हवेली जीर्णोद्धार के बाद विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केन्द्र बनकर उभरी है। इस दो मंजिला इमारत में आज भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने इस हवेली को संरक्षित स्मारक घोषित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा साहित्य अकादमी के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में इस हवेली में गुप्त जी का संग्रहालय स्मारक तथा ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की थी, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस स्मारक के संरक्षित होने की सरकारी अधिसूचना के बाद अब इस दिशा में संबंधित लंबित कार्य पूरा होने की नए सिरे से आस जगी है। क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन चुका गुड़ियानी साम्प्रदायिक सौहार्द की जीती-जागती मिसाल है। मंदिरों एवं मस्जिदों वाले इस गांव के हिन्दू लोग अगाध श्रद्धा से मुन्नीवाली मस्जिद में जाते हैं। मस्जिद की कलात्मक मीनारें, नक्काशी, तैलचित्र अनायास आकर्षित करते हैं। गांव के कालेवाड़ा व बढ़ेरा नामक मौहल्लों में स्थित दो ठाकुरद्वारे अपनी अनूठी निर्माणशैली व नायाब वास्तुकला के जीते-जागते नमूने हैं। गांव के विभिन्न मंदिरों में शिव मंदिर व श्याम मंदिर के अलावा अनेक प्राचीन छतरियां अपनी छाप छोड़ती हैं। साहित्यिक ग्राम में पठान संस्कृति के अवशेष रूप में अनेक खण्डहर, अस्तबल हवेलियां, ईदगाह आदि मौजूद हैं। गत कुछ दशकों से गुप्त जी को लेकर हो रहे काम से सुर्खियों में रहे गुड़ियानी गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जल निकासी की समस्याएं हैं। गत कई वर्षों से यशस्वी साहित्यकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को चिरस्थायी एवं प्रेरणापुंज बनाने के लिए प्रयासरत संस्था बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद् (पंजीकृत) के संरक्षक अधिवक्ता नरेश चौहान 'राष्ट्रपूत' का विचार है कि प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्त की जन्मस्थली स्थित उनकी प्राचीन हवेली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करके ही गुड़ियानी को राष्ट्रीय मानचित्र पर विशेष पहचान दे सकती हैं। गुड़ियानी की निकटवर्ती पहाड़ी भी अपने आंचल में शहीदों की मार्मिक दास्तान सहेजे है।

इस दो मंजिला इमारत में आज तक भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया।

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने आजादी की गुहार करने वाले 114 रणबांकुरों को इसी पहाड़ी पर फांसी दी थी। इतिहास के अनूठे पृष्ठों को अपने आंचल में सहेजे गांव गुड़ियानी ने अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं तथा मुगलों व अंग्रेजों के समय में अपनी वीरता एवं देशभक्ति प्रेरक इतिहास रचा है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में गुड़ियानी के जांबाज योद्धा मोहम्मद आजमखां ने अपने प्राणों की आहूति दी थी। आज वक्त का तकाजा है कि हरियाणा प्रदेश में जहां बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थान आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है, वहीं गुड़ियानी स्थित उनकी हवेली को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया जाए। देखना यह है कि राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्तजी की जन्मस्थली राष्ट्रीय मानचित्र पर कब पहचान बना पाती है?

कविता

नरेन्द्र कुमार

ब्याह

चार तरहां के ब्याह हो रै,
ये दुनियादारी है।
किस ब्याह के ढंग बताऊं,
ये मुनिया प्यारी है।।

मां - बाप ढूंडै अच्छा छौरा,
काला हो या भूरा।
अनपढ़ हो या वो पढ़ा-लिखा,
भूखा हो या बहोरा ।।
ऐसी सामाजिक शादी करना,
अच्छी समझदारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

नयनों से जिनके नयन मिले,
मिले नहीं जिनकी शक्ल।
वे घर से भाग गए जो कमशल,
उनकी मारी गई अक्ल।।
भगौड़ा ब्याह करने वाले,
मां से गद्दारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

पढ़ लिखकर रोजगार लिया,
कोई साथी आन मिला।
तन,मन, धन, कुटुम्ब मिला,
मां - बाप को मान दिला।।
ऐसा प्रेम विवाह करना,
इसमें ना हलवारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

मन करता तब तक संग रहते,
मन भरता छोड़ देते।
मन करता तब चूड़ी पहन लेते,
मन करता फोड़ देते।।
मन मर्जी के ब्याह के भी,
भारे व्यापारी हैं।।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

रागनी

मनोज वशिष्ठ

प्रकृति का न्याय, मानस का लालच

मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।
यो जुल्म कमावै कुदरत पै, क्यूं भूल गया तेरी काया रे।।

ईश का बास है जर्रे-जर्रे में, ऋषि-मुनियां ने समझाया था। त्याग भाव तै भोग करो, वेदों ने ज्ञान सिखाया था।।
तैने कंक्रीट के जंगल चुन लिए, यो के अंधेर कमाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

नदियां का पानी जहर कर दिया, हवा में घोल दिया गाद रे।
जेठ की दुपहरी झुलसण लागी, बदल्या मौसम का मिजाज रे।।
टीले पिघलें कंचन बरफ के, तैने खुद का काल बुलाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

चौपाल की वो ठंडी छाँया, मटके का पानी भूल गया।
सादगी छोड़ के मानस, दिखावे की आंधी में झूल गया।।
सुघड़ कमंडल, नीम की छाँया, सारा वैभव तैने गंवाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

'एक पेड़ मां के नाम' लगा ले, इब भी सम्भलण का मौका सै।
प्रकृति के धौरे सब की खातर, लालच की खातर चौका सै।।
'वशिष्ठ' कहे सुण प्रबुद्ध मानस, क्यूं खुद पै कहर ढाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आमटी तालाब

पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में इसे अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है

स्मृतियों में जीवित एक राजकुमारी की अमर गाथा

धरोहर

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के ऐतिहासिक नगर हांसी की पहचान केवल उसके विशाल किले, प्राचीन स्थापत्य और राजनीतिक इतिहास से नहीं बनती, बल्कि उन लोककथाओं से भी है जो पीढ़ियों से लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। ऐसी ही एक मार्मिक कथा है आमटी तालाब की, जिसे पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है। यह तालाब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि एक ऐसी राजकुमारी की स्मृति का प्रतीक है जिसने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जीवन का बलिदान दे दिया। हांसी का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। अनेक राजवंशों और शासकों ने यहां शासन किया।

मध्यकाल में यह नगर सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसी कालखंड से जुड़ी एक लोकगाथा आज भी क्षेत्र के बुजुर्गों की स्मृतियों में जीवित है। लोकविश्वास के अनुसार हांसी पर शासन करने वाले राजा श्रीपाल की पुत्री अमृति अपनी सुंदरता, साहस और आत्मसम्मान के लिए प्रसिद्ध थीं। कहा जाता है कि विदेशी आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में जब राज्य पर संकट आया तो राजकुमारी अमृति को भी अपमान और बंदी बनने का खतरा उत्पन्न हो गया। उस समय भारतीय समाज में सम्मान और आत्मगौरव को सर्वोच्च मूल्य माना जाता था। लोककथा के अनुसार अमृति ने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय एक कठिन निर्णय लिया। उन्होंने नगर के निकट स्थित एक विशाल जलाशय में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। यह घटना नगरवासियों के मन पर इतनी गहरी छाप छोड़ गई कि उस जलाशय को राजकुमारी की स्मृति में अमृति तालाब कहा जाने लगा। समय के साथ स्थानीय बोली और उच्चारण में परिवर्तन हुआ और अमृति शब्द धीरे-धीरे "आमटी" में परिवर्तित हो गया। आज भी अनेक लोग इस जलाशय को आमटी तालाब के नाम से जानते हैं। इतिहासकारों का मानना है कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी अनेक लोककथाएं प्रचलित रही हैं जिनमें महिलाओं के साहस और आत्मसम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। हालांकि इन कथाओं के सभी विवरणों का लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, फिर भी लोकस्मृति में उनका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आमटी तालाब की कथा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना का प्रतीक है जिसमें सम्मान और स्वाभिमान को जीवन से भी अधिक मूल्यवान माना जाता था। हांसी का ऐतिहासिक किला इस कथा का मौन साक्षी प्रतीत होता है। लगभग एक हजार वर्ष पुराने इस किले ने अनेक युद्ध, राजनीतिक परिवर्तन और सांस्कृतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं। किले की प्राचीरों और उसके आसपास के क्षेत्र में फैली लोककथाएं आज भी इतिहास और कल्पना के अद्भुत संगम का अनुभव कराती हैं। आमटी तालाब की कहानी भी इसी ऐतिहासिक परिवेश में विकसित हुई। लोकसाहित्य के दृष्टिकोण से देखें तो आमटी तालाब की कथा केवल अतीत का वर्णन नहीं करती, बल्कि समाज के मूल्यों को भी अभिव्यक्त करती है। हरियाणा की लोकसंस्कृति में वीरता, त्याग, आत्मसम्मान और सामुदायिक स्मृति का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि सदियों बीत जाने के बाद भी यह कथा लोगों की जुबान पर बनी हुई है। आज जब आधुनिकता के प्रभाव में अनेक ऐतिहासिक स्थल और लोककथाएं विस्मृति के अंधकार में खोती जा रही हैं, तब आमटी तालाब जैसी स्मृतियां सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता का संदेश देती हैं। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी आमटी तालाब और उससे जुड़ी कथा महत्वपूर्ण हो सकती है। हांसी आने वाले पर्यटक केवल किला ही नहीं, बल्कि उस लोकइतिहास को भी जानना चाहते हैं जो इस नगर की आत्मा में बसता है। राजकुमारी अमृति की कथा, हांसी के प्राचीन किले और नगर की ऐतिहासिक विरासत को जोड़कर एक समृद्ध सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ विकसित किया जा सकता है। आमटी तालाब की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि इतिहास केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं होता। इतिहास उन

यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

लोगों की स्मृतियों में भी जीवित रहता है, जिन्होंने अपने जीवन से समाज को प्रेरणा दी। राजकुमारी अमृति की लोकगाथा चाहे इतिहास और किंवदंती के बीच कहीं स्थित हो, लेकिन वह हांसी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज भी जब हांसी की पुरानी गलियों, किले की दीवारों और ऐतिहासिक स्थलों का उल्लेख होता है, तब आमटी तालाब का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। यह तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि स्मृति, साहस और लोकविश्वास का वह दर्पण है जिसमें हांसी का अतीत आज भी प्रतिबिंबित होता दिखाई देता है।

ग्लैमर नहीं किरदार के पीछे भागो : नैना

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणा के शेक्सपियर एवं सूर्यकवि पंडित लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से कौन परिचित नहीं है। पूरे विश्व में उनकी चर्चाएं होती है उन पर शोध कार्य हो रहे हैं। आज आपको उनकी प्रपौत्र वधू नैना से रूबरू करवा रहे हैं, जो इस गौरवशाली लोक-साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नैना ने दादा लखमीचंद यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और रंगमंच उनकी पहली मोहब्बत है। उन्होंने 'नचार', 'फांस', 'हाथ रुपया' और 'परिणीता' जैसी चर्चित फिल्मों में उल्लेखनीय कार्य किया है, जबकि 'फांस' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 'फांसले', 'छाया', 'मौत', 'निर्णय', 'यादें', 'उधेड़बुन' और 'दरार' जैसी शॉर्ट फिल्मों में भी उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। मंच नाटकों, नुक्कड़ नाटकों और हरियाणवी फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने सुपवा के प्रोजेक्ट्स से भी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में एक हरियाणवी फीचर फिल्म और पंडित लखमीचंद की विरासत पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री शामिल है।

नैना बताती हैं कि दादा लखमीचंद के प्रपौत्र चेतन कौशिक से विवाह के बाद जब वह इस परिवार की बहू बनी तो लगा जैसे माटी की खुशबू से रिश्ता जुड़ गया। स्वयं उनके शब्दों में -'ये परिवार सिर्फ घर नहीं, हरियाणा की लोक संस्कृति का जीता-जागता स्कूल है। दादा लखमीचंद का नाम हर सांस में बसता है यहां। ऐसे परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य से बढ़कर गौरव की बात है। आधुनिकता और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण क्या सांग जैसी समृद्ध लोक परंपराएँ धीरे-धीरे हाशिए पर जा रही हैं? क्या वर्तमान पीढ़ी इन्हें अपेक्षित महत्व नहीं दे रही? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर नैना बताती हैं कि तकनीक दुश्मन नहीं, सवारी है। हां, भीड़ रील्स की तरफ भाग रही है, पर असली बात में आज भी दम है। हम सांग को हाशिए पर नहीं जाने देंगे। बस उसे मोबाइल के साइज में ढालना है। युवा जुड़ेगा, गारंटी है। हरियाणा के अनेक लोक कलाकारों के परिजन आज अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए संघर्षरत हैं। साथ ही वे सरकारी सहयोग और अनुदान के अभाव में उपेक्षित भी महसूस करते हैं। नैना को इन लोक कलाकारों के संघर्ष पर दर्द होता है, जब देखते हैं कि जो संस्कृति बचाते हैं, वो खुद मुश्किल में हैं। सरकारी सहयोग मिलना चाहिए, पर उससे पहले युवा समाज को जागना होगा। बुजुर्गों ने तो बहुत साथ दिया, अब बारी हमारी है। जब तक हम अपनी लोक कलाओं को सम्मान नहीं देंगे, तब तक कलाकार का हौसला भी टूटेगा और संस्कृति भी। हमें मिलकर इस विरासत को बचाना है। नैना के अनुसार सांग की परंपरा में पुरुष कलाकारों द्वारा महिला पात्रों की भूमिका निभाने की विशेष परंपरा रही है। ये परंपरा मजबूरी नहीं, कला थी। उस दौर के हिसाब से ठीक थी। आज महिलाएं खुद मंच पर आ रही हैं, ये सबसे बड़ा बदलाव है। परंपरा की इज्जत करते हुए नए दौर को भी गले लगाना चाहिए। दोनों साथ चल सकते हैं। लोकनाट्य और सांग को आज के दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए भाषा को सरल बनाना और क्लिष्ट शब्दों को हटाना जरूरी है। साथ ही, लगभग डेढ़ घंटे के पावर-पैक सांग तैयार किए जाएं, ताकि दर्शकों की रुचि बनी रहे। उनका मानना है कि सांग को कॉलेज फेस्ट और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों तक ले जाना चाहिए। इससे सांग पर लगा 'ओल्ड' का टैग हटेगा और वह 'गोल्ड' के रूप में स्थापित होगा। नैना के लिए रंगमंच उनकी रूह है। साथ में स्क्रिप्ट लेखन, डायरेक्शन में भी वह हाथ आजमा रही हैं। कैमरे के सामने अभिनय का अपना मज़ा है। कोशिश यही है कि हर कहानी में हरियाणा की माटी बोलती दिखे। व्यक्तिगत तौर पर एक फिल्म डायरेक्ट करना चाहती हैं जो पूरी दुनिया को हरियाणवी कल्चर दिखाए। दादा लखमी की विरासत के लिए एक डिजिटल आर्काइव भी बनाने पर विचार है, जहां उनकी सारी रचनाएं, ऑडियो, वीडियो एक क्लिक पर मिलें। नैना अभिनय के साथ फिल्म मेकिंग से भी जुड़ी रही हैं और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रही हैं। उनका मानना है कि हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वह हरियाणवी सिनेमा का भविष्य सुनहरा मानती हैं । अब हमारे हरियाणा में भी एक सिनेमा की शुरुआत हो चुकी है।, नैना सुपवा के साथ अपने

हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब फिल्म डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।

अनुभव साझा करते हुए बताती हैं कि सुपवा मतलब अनुशासन और आज़ादी का संगम। वहां सीखा कि कला में रियाज़ और रिसर्च दोनों जरूरी हैं। सुपवा ने मुझे कलाकार से कर्मयोगी बनाया। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में नैना का मानना है कि रंगमंच वन टेक मैच है - तालियां तुरंत, गलती की माफी नहीं।

कैमरा टेस्ट सीरीज है - रीटेक है, पर इमोशन एक बार में पकड़ना है। मंच दिल देता है, कैमरा बारीकी सिखाता है। दोनों जरूरी हैं। नए कलाकारों के लिए उनका संदेश है कि ग्लैमर के पीछे मत भागो, किरदार के पीछे भागो। रियाज़ छोड़ोगे तो बाजार छोड़ देगा। हरियाणवी में सोचो, हरियाणवी में जियो, फिर देखना दुनिया तुम्हारी बोली बोलेगी और हां, दादा लखमीचंद की बातों का अनुसरण करो ,रास्ता खुद मिल जाएगा।

खबर संक्षेप

परनाला में डेरे पर हुआ भंडारा

बहादुरगढ़। परनाला गांव में निजामपुर रोड पर स्थित निक्के बाबा जी के डेरे पर बाबा लखदाता पीर जी, गुरु गोरखनाथ जी एवं बालाजी महाराज का भंडारा एवं मंदिर नवीनीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर्ष बाबा के सान्निध्य में असंख्य श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। इस दौरान भजन-कीर्तन में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूम उठे। शिक्षाविद पंकज भक्त ने कहा कि धर्म और सेवा का मार्ग मानव जीवन को सार्थक बनाता है। इस अवसर पर योगीराम गोपाल नाथ, जोगेंद्र दलाल, ओमबीर छिकारा, अजित दलाल, कानूनगो रमेश कुमार, संजय राठी, पूनम देवी, कपिल राठी, मोहित लाकड़ा, सागर राठी, राहुल रोहिल्ला, राकेश छिकारा, जयइंद्र सहरावत, सहदेव दहिया, कुलदीप गहलोत, हितेश जून, हरिओम जांगड़ा, वंश जून व धर्मपाल ग्रेवाल आदि मौजूद रहे।

भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

झज्जर। हारे का सहारे मित्र मंडल द्वारा प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में राधा नाम संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भजन गायक मीनाक्षी दीदी ने राधा रानी के भजनों से गुणगान किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद लिया और भजनों का आनन्द लिया। भक्तों ने बाबा का रंग बिरंगे फूलों और गुब्बारों से दरबार सजाया जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में मीनाक्षी दीदी ने दिनरात रटो राधा, मिट जाए सब बाधा..राधा राधा नाम हमकों प्राणों से प्यारा है, मेरे जीने का सहारा हैं..हम पागल दीवानों का बरसाना ठिकाना है..अपनी पायल का घुंघरू बना लो मुझें.. सहित अन्य राधा रानी के मधुर भजन सुनाकर श्रद्धालुओं भाव विभोर कर दिया।

बीआरजी के धावकों ने जीते 9 पदक

बहादुरगढ़। राजघाट पर आयोजित 24वें रन अगेंस्ट ड्रग एब्यूज एवं योगाथॉन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 पदक जीते। एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोदारा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बीआरजी के 75 से अधिक धावकों ने भाग लिया। दस किलोमीटर चैलेंज रन में बीआरजी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक हासिल किए। रणबीर सिंह सांगवान ने 10 किलोमीटर 50 प्लस में प्रथम स्थान, धर्मवीर सैनी ने द्वितीय स्थान और देवेंद्र किशोर ने तृतीय स्थान हासिल किया। शलभ खरे ने 10 किमी 30 प्लस में प्रथम स्थान, सुधीर तेवतिया ने 10 किमी 40 प्लस में द्वितीय, सत्यवान ने तृतीय और सारिका यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कृष्णा राणा ने 10 किमी 60 प्लस में प्रथम स्थान और आरके मोर ने द्वितीय स्थान पाया। राजेश रघुवंशी, सोनपाल सिंह, राजेश कुमार, शमशेर सिंह, उरिरेई देवी, सुधीर तेवतिया, ब्रह्म प्रकाश मान, रोहित कुमार, आशुतोष, शलभ खरे, गुलाब सिंह, निकुंज, राज पाल, डॉ. संतोष कुमार, सुनील सिकरी, ललिता पांडेय, धर्मवीर, सत्यवान, अभय, अशोक, रोहतास, अभय टेटे, दीपक , इशवंती देवी, कृष्णा राणा, आकर्षण, वैभव, कुणाल, संजय, मनमोहन, रितेश, लक्ष्मी, यशु, गीता, वेद, निलोत्पल, दीपाली, संदीप, रंजन, अंकित, रवि, मोहित, मनोज, विपिन, शिव, जीवन, सूरज, हर्ष, गौरव, संजय, अरुण, ऋषि, राज, पंकज व मोनू ने दौड़ पूरी की।

इंवर्टर की बैटरी फटने की वजह से हुआ हादसा

शॉर्ट सर्किट से हार्डवेयर दुकान में लगी आग, लाखों का सामान राख

फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव छुछकवास स्थित एक हार्डवेयर की दुकान में शार्ट सर्किट के कारण लगी आग के चलते लाखों रुपये का सामान जल कर राख हो गया। आग इतनी भंयकर थी कि दमकल केंद्र से पहुंची सात गाड़ियों द्वारा करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दुकान मालिक जयकिशन ने बताया कि उनकी दो दुकानें हैं जिनमें हार्डवेयर संबंधी सामान रखा हुआ था। वे थोक व रिटेल रेट पर सामान बेचते हैं।

दिन में शार्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई जो दुकान में रखे प्लास्टिक पाइप, फाइबर, रंग-रोगन व पीवीसी आदि सामान ने पकड़ ली। इसी दौरान इंवर्टर की बैटरी फट गई जिससे आग और अधिक भड़क गई। उन्होंने आनन-फानन में दुकान के कार्यरत कर्मचारियों को बाहर निकलने को कहा और फायर ब्रिगेड को सूचित करने के बाद स्वयं आग बुझाने का प्रयास करने लगे। दुकान में लगी भयंकर आग के चलते फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को भी सात गाड़ियां बुलानी पड़ी। जिसके उपरांत करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। पीड़ित दुकानदार जयकिशन के अनुसार इस घटना में उसकी दुकान में रखा सारा सामान जल गया। जिससे उनका काफी नुकसान हुआ है।

झज्जर। आग बुझने के बाद झुलसी दुकान के सामने एकत्रित लोग। फोटो : हरिभूमि

व्यापार मंडल ने दुकानदार को दिया यथासंभव सहयोग का आश्वासन

आगजनी की सूचना मिलने पर हरियाणा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगल व शहरी युवा अध्यक्ष सुनील यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने व्यापार मंडल की तरफ से पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष विजयलक्ष्मी चंद गुप्ता से फोन पर संपर्क कर पीड़ित दुकानदार के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार से मदद दिलाने की बात कही।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा एवं अन्य।

प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई : हुड्डा

पूर्व सीएम बोले हरियाणा आज सबसे असुरक्षित राज्यों में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। आज हरियाणा देश के सबसे असुरक्षित राज्यों में शामिल हो गया है। प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जटिया धर्मशाला में कार्यकर्ताओं की बैठक लेने उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए कही।

उन्होंने आरोप लगाया कि जेलों में बंद बदमाश अपने गुर्गों के माध्यम से हत्याएं करवा रहे हैं और बाद में सोशल मीडिया पर उनकी जिम्मेदारी ले रहे हैं। इससे साफ है कि अपराधियों में कानून का कोई भय नहीं रह गया है। उन्होंने अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा कि उस समय बदमाशों को स्पष्ट संदेश दिया गया था कि या तो हरियाणा छोड़ दें या अपराध छोड़ दें। जिसके बाद अपराधी प्रदेश से बाहर चले गए थे। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पात्र मतदाता का वोट न कटे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंप रही है। इस दौरान विधायक गीता भुक्कल, रोहतक से विधायक वीबी बतरा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। बैठक के दौरान एक साथ विधायक कुलदीप वत्स, संत सुरेहती और समाज के प्रबुद्धजन।

विधायक वत्स व संत सुरेहती विवाद खत्म, मिलाया हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- भगवान परशुराम भवन शिलान्यास कार्यक्रम में हुई थी मारपीट की घटना

बीती पांच अप्रैल को शहर के सेक्टर नौ में श्री ब्राहम्ण महासभा द्वारा आयोजित भगवान परशुराम भवन शिलान्यास कार्यक्रम में संत सुरेहती व उसके पुत्र के साथ मारपीट की गई थी। मामले में संत सुरेहती की ओर से विधायक कुलदीप वत्स और उसके परिजनों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। बाद में श्री ब्राहम्ण महासभा और समाज के प्रबुद्धजनों ने बैठक कर मामले को समाप्त करवाने का निर्णय लेते हुए कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी द्वारा दोनों पक्षों से बातचीत करते हुए मामले को सुलझाने के प्रयास किए थे। इसी कड़ी में रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें दोनों पक्षों को बुलाते हुए राजीनामा पर सहमति बनी। कमेटी के प्रधान हरि शमशेर कौशिक ने बताया कि दोनों भाईयों का मनमुटाव खत्म हो गया है। कुछ शरारती तत्वों ने गड़बड़ करने की कौशिश की थी। कमेटी बनी उसमें सब कुछ साफ हो गया। कमेटी और समाज के प्रबुद्धजनों ने गलतफहमियां दूर करवा दी और दोनों भाईयों का समझौता करवा दिया।

भाजपा के बुद्धिजीवी सम्मेलन में देश के विकास पर हुआ विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को भाजपा द्वारा आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन में बुद्ध नागरिकों, डॉक्टरों, वकीलों, प्रोफेसर्स, शिक्षकों, सीए, उद्योगपतियों एवं व्यवसायियों ने देश के विकास पर चर्चा की। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं सशक्त नेतृत्व में भारत ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की सोच और संकल्प आज हर भारतीय का सपना बन चुका है।

पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि भारत आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, सैन्य, चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, खेती किसानी, आईटी, उत्पादन व ढांचागत विकास सहित हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर से तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी जन विरोधी नीतियों और कमजोर नेतृत्व के कारण राजनीतिक रूप से हाशिए पर जा रही है। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का भी जनाधार सिकुड़ रहा है। भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने सभी का स्वागत करते हुए मोदी सरकार की 12 वर्ष की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी।

सम्मेलन को जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष विकास बाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना व दिनेश शेखावत आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर चेयरपर्सन सरोज राठी, जयकिशन छिल्लर, संजीव सैनी, राजपाल जांगड़ा, सोनू मान, गितांशु चावला, अमित कसार, पंकज गर्ग, संजय सैनी, राजबीर गांधी, हरीश दलाल, डॉ गौरव अग्रवाल, रणबीर राठी, बिजेंद्र लुखड़, नरेश भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते ओमप्रकाश धनखड़। फोटो : हरिभूमि

लडरावन में हो रहे 62 लाख के विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को विधायक राजेश जून ने गांव लडरावन में 7 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गली निर्माण परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गांव लडरावन में करीब 62 लाख रुपये के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं या विभिन्न चरणों में जारी हैं। इसके अलावा गांववासियों की एक महत्वपूर्ण मांग कुलासी रोड के चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण को भी मंजूरी मिल चुकी है।

विधायक राजेश जून ने बताया कि गांव लडरावन में इससे पहले विधायक निधि से 10 लाख रुपये की लागत से कई गलियों का निर्माण कराया जा चुका है। अब 7 लाख रुपए से नई गली के निर्माण से गांव की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होगी। गांव के स्टेडियम में युवाओं और खिलाड़ियों की सुविधा के लिए 8 लाख 75 हजार रुपये की लागत से आधुनिक ट्रैक का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा लगभग 26 लाख रुपये की लागत से कच्चा गोंडे का निर्माण कार्य भी कराया जाएगा, जिससे बरसात के दौरान होने वाली परेशानियों से ग्रामीणों को राहत मिलेगी। विधायक ने बताया कि गांव की दो चौपालों में 5-5 लाख रुपये की लागत से विकास और मरम्मत संबंधी कार्य पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। राजेश जून ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों और शहरों में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। ग्रामीणों ने गांव में लगातार हो रहे विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए विधायक राजेश जून का आभार जताया।

बहादुरगढ़। लडरावन में गली निर्माण का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

महंगाई के खिलाफ पार्क में किया प्रदर्शन

बहादुरगढ़। सीटू, सर्व कर्मचारी संघ और नागरिक सद्भावना समिति की तरफ से रविवार को देवीलाल पार्क में प्रदर्शन किया गया। समिति अध्यक्ष सतबीर दहिया और सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान बिजेंद्र सैनी की अध्यक्षता में बढ़ती हुई महंगाई और शिक्षा को लेकर प्रदर्शन किया गया। देवीलाल पार्क में इकट्ठे होकर सीएम का पुतला फूंका गया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार ने मजदूरों की महंगाई से कमर तोड़ रखी है। आए दिन सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। पेपर लीक होना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। दर्जन से अधिक बच्चे आत्महत्या कर चुके हैं। किसान और मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। सीटू की कन्वीनर किरण, नगर पालिका संघ के जिला प्रधान राजेंद्र, सीटू के उप प्रधान मुकेश, रोडवेज से सुमेर कौशिक, धनराज तहलान, रविंद्र दलाल, भवन निर्माण से संजीव, राजू, सुनील, जनवादी नौजवान सभा के स्टेट कमेटी मेंबर शुभम, आशा वर्कर यूनियन से सुदेश, सुनीता, सीमा, लक्ष्मी, पूजा व सरिता आदि प्रदर्शन में शामिल रहे।

चिंता छोड़ अपना कारोबार करें, आपकी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहता है व्यापार मंडल

व्यापारियों को किसी भी अवांछित व्यक्ति से डरने की जरूरत नहीं : गुप्ता

65 वर्ष की आयु के बाद व्यापारियों के लिए पेंशन योजना लागू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा व्यापार मंडल द्वारा शहर के सिलानी गेट स्थित श्रीकृष्ण धर्मशाला में व्यापारी मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रदेशाध्यक्ष विजय लक्ष्मी चंद गुप्ता ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि हर व्यापारी को बिना किसी भय के अपना व्यापार करना चाहिए। किसी अधिकारी अथवा अवांछित व्यक्ति से डरने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल ने सरकार से मांग की है कि जीएसटी का एक प्रतिशत हिस्सा व्यापारियों के कल्याण एवं संकट के समय सहायता के लिए निर्धारित किया जाए तथा 65 वर्ष की आयु के बाद व्यापारियों के लिए पेंशन योजना लागू की जाए। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष ने जिले के व्यापारियों की बड़ी भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि केशव सिंगल के नेतृत्व में जिला इकाई संगठित, ऊर्जावान और सक्रिय रूप से व्यापारियों के हितों के लिए कार्य कर रही है।

नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी,व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगल, बहादुरगढ़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। केशव सिंगल ने कहा कि व्यापार मंडल व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने व्यापारियों से दुकानों के बाहर डस्टबिन रखने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुनील यादव ने किया। इस मौके पर गौशाला के प्रधान प्रमोद बंसल, शहरी प्रधान राकेश अरोड़ा, स्वर्णकार संघ के जिलाध्यक्ष रमेश सोनी, रविंद्र सोनी, बालकिशन शर्मा, प्रदीप गुप्ता, राजीव मित्तल, भगवत प्रसाद, सीए प्रशांत आर्य, सीए वीरेंद्र गोयल, सब्जी मंडी के प्रधान नरेंद्र देशवाल, ऑटो मार्केट के अध्यक्ष शिवधन, जगदीश गेरा, सीमा दहिया, घनश्याम सिंघल, मुकेश पोपली, चिमनलाल वर्मा, पार्षद दिनेश यादव, पार्षद जयपाल बांगड़, मनोज लांबा, गुलशन शर्मा, ओपी सैनी, क्लॉथ मार्केट प्रधान चिंटू, श्रीपाल प्रजापति, विक्रम सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। प्रदेशाध्यक्ष विजय लक्ष्मी चंद गुप्ता का अभिनंदन करते हुए व्यापारी। फोटो : हरिभूमि

सुनील यादव बने शहरी युवा प्रधान

व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगल के आग्रह पर जिला महासचिव सुनील यादव को शहरी युवा प्रधान की जिम्मेवारी सौंपी गई है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि अब युवा अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष मिलकर हर व्यापारी की समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत रहेंगे। उन्हें उम्मीद है कि वे अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगे।

जिलेभर के सरकारी एवं गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में योग को लेकर दिखा उत्साह

योग के माध्यम से स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने का संदेश दिया

योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्म-अनुशासन एवं समग्र व्यक्तित्व विकास का आधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को एचएल सिटी में स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल द्वारा शाइनिंग स्टार फिटनेस सेंटर तथा कटोच्स होलिस्टिक हेल्थ सेंटर के सहयोग से 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंध निदेशक राकेश जून, चेयरपर्सन शैलजा जून तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनीष शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। योग विशेषज्ञ डॉ. सुरेंद्र कटोच ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। योग के माध्यम से स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन जीने का संदेश दिया। शैलजा जून ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्म-अनुशासन एवं समग्र व्यक्तित्व विकास का आधार है। डॉ. मनीष शर्मा ने नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

बहादुरगढ़। शाइनिंग स्टार फिटनेस सेंटर में योगाभ्यास करते शैलजा जून व अन्य।

बहादुरगढ़। जिम में योगाभ्यास करते युवराज छिल्लर व अन्य।

धर्म विहार में किया योग

बहादुरगढ़। धर्म विहार स्थित छिल्लर क्लब के वर्ल्ड फिटनेस जिम में विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम हुआ। भाजपा नेता युवराज छिल्लर ने उपस्थित युवाओं और खिलाड़ियों को विभिन्न योगासन करवाए तथा योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है।

भाजपा संयोजक ने सेक्टर-6 में किया सामूहिक योग

बहादुरगढ़। रविवार सुबह सेक्टर-6 में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र संयोजक दिनेश कौशिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुरू किया। इस अवसर पर चेयरमैन विनोद कौशिक व दिनेश शेखावत ने भी लोगों से योग को अपनाने का आह्वान किया। ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास कराया तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी लाभों की जानकारी दी।

बहादुरगढ़। सयोगाभ्यास करते दिनेश कौशिक व अन्य।

छारा कॉलेज में किया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। छारा के चौधरी हरद्धारी लाल राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. सुशील दलाल के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन योगा सेल के प्रभारी डॉ. मनोज कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में जानकारी दी।

स्वस्थ जीवन का संदेश देकर तैराकों ने स्विमिंग पूल में किया योग

बहादुरगढ़। एचएल सिटी की चैपियंस एक्वेटिक एकेडमी में तैराकों ने स्विमिंग पूल के अंदर पानी में योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव एवं हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने भी तैराकों के साथ योग किया। इस अवसर पर सभी तैराकों ने नियमित रूप से योग करने का संकल्प भी लिया।

बहादुरगढ़। तैराकों के साथ पानी में योगाभ्यास करते अनिल खत्री।

योगाभ्यास कर नशामुक्ति की शपथ ली

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम हुआ। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग हमें शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने छात्राओं को नियमित रूप से योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रीति के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया गया। डॉ. शालू शर्मा ने सभी छात्राओं एवं उपस्थित सदस्यों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में योगाभ्यास कराती निशा कल्याण

न्यूज डायरी

वैश्य स्कूल में छात्राओं ने किया योग

बहादुरगढ़। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर वैश्य आर्य पब्लिक स्कूल में भी कार्यक्रम हुआ। इसमें प्रधानाचार्या, अध्यापिकाओं तथा छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। छात्राओं को योग के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया गया। योग शिक्षिका डॉ. अंजू अग्रवाल ने विभिन्न योग आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। सभी छात्राओं ने प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया।

परनाला में किया योग अभ्यास

बहादुरगढ़। गांव परनाला में आयोजित योग शिविर में सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग को विश्व स्तर पर पहचान मिली है और पूरी दुनिया भारतीय योग परंपरा को अपना रही है।

माहेश्वरी समाज ने भी किया योग

बहादुरगढ़। माहेश्वरी सभा द्वारा रविवार को शहर के माहेश्वरी भवन में योग महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षक यश दलाल और लावण्या खटोड़ ने योगाभ्यास करवाया। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में योगक्रियाएं की। उन्होंने कहा कि योग शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने का माध्यम है और वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच स्वस्थ रहने का सबसे प्रभावी उपाय भी है।

प्रगति सैनिक स्कूल के छात्रों ने किया योगाभ्यास

झज्जर। प्रगति सैनिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर योग के महत्व को समझा और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग हमारे तन और मन के संतुलन को बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ, मन शांत तथा जीवन सकारात्मक बनता है। विद्यार्थियों ने सभी नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आह्वान किया।

करो योग, रहो निरोग : डॉक्टर महिपाल

झज्जर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संस्कारम विश्वविद्यालय में रविवार को प्रेरणादायक योग सत्र का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव और सामूहिक चेतना को बढ़ावा देना रहा। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि योग केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन और समाज को भी सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि आज के तनावपूर्ण वातावरण में योग सामूहिक सुख, शांति और समरसता का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी से प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योग के लिए निकालने का आह्वान करते हुए कहा करो योग, रहो निरोग का संदेश दिया।

योग दिवस पर दिखा अनुशासन ऊर्जा और एकात्मता का संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बेरी खेल स्टेडियम में खंड स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोनीपत नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान अपने संबोधन में मेयर राजीव जैन ने कहा कि देशवासियों के लिए गर्व की बात है कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता मिली और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया, जिसे आज दुनिया के देश मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। आज राज्य में अनेक जगहों पर व्यायामशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं और जरूरत अनुसार आयुष योग सहायकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि योग, नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने का एक माध्यम है।

झज्जर। कार्यक्रम में सामूहिक योगाभ्यास करते मुख्यातिथि मेयर राजीव जैन व एसडीएम रेणुका नांदल। फोटो : हरिभूमि

शिक्षकों व विद्यार्थियों ने किया योग और प्राणायामों का अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में 408 विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। योग शिक्षिका कोमल व एथलेटिक्स कोच रवींद्र यादव के नेतृत्व में सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों व शिक्षकों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायामों का अभ्यास किया। एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने सभी को नियमित योग अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने फादर्स-डे पर ऑनलाइन ग्रीटिंग कार्ड एवं पोस्टर बनाकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इस मौके पर एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया एवं प्राचार्या प्रीति राठी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। स्कूल परिसर में योगाभ्यास करते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। योगाभ्यास करते हुए हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स। फोटो : हरिभूमि

वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज में किया योगाभ्यास

झज्जर। वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज रिसर्च एवं अस्पताल गिरावड़ में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अकादमिक डीन डॉक्टर आदित्य भार्गव ने किया। उन्होंने योग के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक के निर्देशन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया तथा योग को नियमित जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कॉलेज के चेयरमैन डॉक्टर नरेंद्र सिंह व डीन डॉक्टर जेसी पासी ने भी हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को संबोधित करते हुए उन्हें योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य संदेश के साथ भाविप ने भी मनाया योग दिवस

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा ने सेक्टर-6 में स्थित पार्क तथा तथा बहादुरगढ़ शाखा ने एनआर हिंदू स्कूल में योग दिवस मनाया। योगाचार्य संदीप गोयल और कविता ने सभी को विभिन्न योगासन व प्राणायाम करवाए। इस दौरान टी-शर्ट भी वितरित की गई। कार्यक्रम में अशोक गोयल, पवन जैन, सतीश शर्मा, मुरारी गोयल, नीरज बंसल, सुनील बंसल, डॉ. पंकज जैन, रमेश गुप्ता, विजय पुन्हानी, मूलचंद जोशी, मुकेश बंसल, रमेश सुखीजा व चंचल गर्ग आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में पहुंचे भाविप सदस्य। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। योग प्रतियोगिता में ऑनलाइन भागीदारी करते हुए विद्यार्थी।

ऑनलाइन योगासन प्रतियोगिता में छाए विद्यार्थी

झज्जर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इंडो अमेरिकन स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने घरों से योगासनों के वीडियो एवं फोटो प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, पद्मासन और सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्थान प्राप्त किए। निदेशक बिजेंद्र कादियान ने बताया कि इसके अलावा विद्यार्थियों ने रोडवेज वर्कशॉप में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भी भाग लिया।

भगत सिंह पार्क में हवन के बाद किया योग

बहादुरगढ़। शहर के भगत सिंह पार्क में पतंजलि योग समिति द्वारा योग दिवस पर हवन भी किया गया। समिति के जिला महासचिव नरेश सैनी, डॉ. अजय जैन, विष्णु यादव, सुरेश गुलिया, जिला प्रभारी सुनील, पूर्व पार्षद सज्जन सैनी, दिलबाग, धर्मपाल सैनी, रोशनी गुलिया, शारदा, मिनाक्षी, प्रोमिला व राज सिंह वर्मा आदि ने हवन में आहुति डाली और योगाभ्यास किया। सभी ने कहा कि योग एक स्वस्थ, समृद्ध तथा जागरूक समाज के निर्माण का आधार है।

बहादुरगढ़। भगत सिंह पार्क में हुए हवन में आहुति डालते समिति सदस्य।

योग से निरोगी जीवन और नशामुक्त समाज का निर्माण संभव : बिरधाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मातनहेल स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा साल्हावास स्थित आईटीआई परिसर में खंड स्तरीय योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मातनहेल में जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना तथा साल्हावास में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी निशा तंवर ने बतौर मुख्यतिथि भाग लेते हुए आमजन को प्रतिदिन योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अपने संबोधन में कप्तान सिंह बिरधाना ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास का भी सशक्त आधार है। नियमित योग से तनाव दूर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्ति अनुशासित जीवन की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारतीय योग परंपरा को अपनाकर स्वस्थ जीवन की दिशा में आगे बढ़ रही है, जो भारत की प्राचीन संस्कृति और ज्ञान की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए योग सबसे प्रभावी माध्यम है।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान योगाभ्यास करते हुए जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना। फोटो : हरिभूमि

क्लब में हुआ विशेष योग सत्र

बहादुरगढ़। गुरु तेग बहादुर एथलेटिक क्लब द्वारा एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इसमें स्व. मंजीत पहलवान (मांडोठी) को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत योग सत्र की शुरुआत मिलन आर्य द्वारा की गई। योग सत्र के दौरान विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम भी करवाए गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005